अनुक्रमणिका

पृष्ठ क्रमांक

भूमिका

प्रथम अध्याय - उषा प्रियंवदा का संक्षिप्त परिचय 1-15

जीवनवृत्त

व्यक्तित्व

कृतित्व ।

द्वितीय अध्याय - परिवार से तात्पर्य 16-37

परिवार का स्वरुप

परिवार का भारतीय रुप

परिवार का पाश्चात्य रुप

परिवार की परिभाषाएँ

संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी ।

परिवारों का वर्गीकरण

केन्द्र परिवार, संयुक्त परिवार,

पितृमूलक परिवार, मातृमूलक परिवार ,

एक पत्नी परिवार, बहुपत्नी परिवार,

बहुपतित्व परिवार ।

सांस्थायिक परिवार, साहचर्य परिवार,

परिवार का महत्व ।

तृतीय अध्याय - उपन्यास का संक्षिप्त परिचय । 38-49

चतुर्थ अध्याय - पचपन खम्भे लाल दीवारें ` उपन्यास में चित्रित 50-79

परिवार का स्वरुप ।

परिवार का वर्गीकरण

संयुक्त परिवार

केन्द्र परिवार

दाम्पत्य जीवन - सफल दाम्पत्य जीवन,

असफल दाम्पत्य जीवन
दाम्पत्येत्तर सम्बन्ध
पिता एवं संतान का सम्बन्ध
माता एवं संतान का सम्बन्ध
भाई-बहनों का पारस्परिक सम्बन्ध
सुषमा और नील का सम्बन्ध
ननंद और भाभी का सम्बन्ध
बुआ का सम्बन्ध
देवर और भाभी का सम्बन्ध

पंचम अध्याय - पचपन खम्भे लाल दीवारें ` उपन्यास में प्रतिबिंबित पारिवारिक विभिन्न समस्याएँ। 80 - 106

उपसंहार 107 - 117

परिशिष्ट 118 - 121